(The Scientist Hypothesis(J2

by: ADEL ALI AL ORFI-LIBYA-12-5-2015

वैज्ञानिक परिकल्पना(J2)

(vaigyaanik parikalpana(j2

بِسْمِ اللهِ الرَّحْمنِ الرَّحِيمِ

यह वैज्ञानिक विचारों और मान्यताओं का एक सेट है जिसे बाइनरी ब्रह्मांड के विचार के चारों ओर सिद्ध करने की आवश्यकता है और मैंने वैज्ञानिक अधिरोपण (जे) में इसके बारे में बात की थी जब यह मूल रूप से पानी की एक बूंद की तरह थी जो निर्वात में विस्फोटित हो गई और बदल गई भीतर से दोहरे और फैले हुए गले के रूप में। (यूएनवी 1) सबसे बड़ा और सबसे पुराना ब्रह्मांडीय धूल से भरा है और गुरुत्वाकर्षण के अलावा इसके भीतर कोई भौतिक नियम नहीं हैं। (यूएनवी 1) इसके अंदर का हिस्सा डार्क मैटर के अंदर तैरता है, जो कि पानी का पहला प्रकार है और इसका विस्तार तब तक होता रहता है जब तक कि यह पहले धूल ब्रह्मांड की सीमाओं से नहीं टकराता। इस संक्षेप में, मैं बिंदुओं पर डार्क मैटर और डार्क :एनर्जी के बारे में अपनी धारणाएँ बनाता हूँ

डार्क एनर्जी डार्क मैटर से स्वतंत्र नहीं है। यह इसके मामलों या इसके -1 मुख्य गुणों में से एक है।

:डार्क मैटर की विशेषताएं हैं -2

काली ऊर्जा -

द्रव्यमान -

ब्रह्मांडीय समय -

(कॉस्मिक लाइन (ज्ञात प्रकाश से भी तेज़ अज्ञात उपकरण -

गुरुत्वाकर्षण: इसमें कई गुमनाम कानून हैं जो नियमों के पूरक हैं - - गुरुत्वाकर्षण के बारे में अब तक ज्ञात कानून (इंटरगैलेक्टिक ग्रेविटी पर कानून, आकाशगंगा आंदोलन पर कानून, उल्कापिंड आंदोलन और नेबुला पर कानून, और आंदोलन पर कानून) सौर मंडल का

पिछले बिंदु डार्क मैटर के एक मानक मॉडल को समझने और बनाने का प्रयास करते हैं और मैं देखता हूं कि यदि वैज्ञानिक ब्रह्मांडीय प्लाज्मा के नए नियम बना सकते हैं और न्यूटन और एंस्टीन के नियम विकसित कर सकते हैं तो वे भविष्य में पांचवीं अवस्था की विशेषताओं का पता लगाने में सक्षम होंगे। पदार्थ (कठोरता-तरल-गैस-प्लाज्म-- यह डार्क मैटर है

(

अपना समय देने के लिए धन्यवाद।

:अरबी में मूल पाठ की समीक्षा करने के लिए

https://archive.org/details/j-2_20230918_20230918_2308